RJ-04

June - Examination 2026
B.A. (Part-II) Examination
RAJASTHANI
मध्यकालीन राजस्थानी पद्य
Paper : RJ-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' मांय छोटा सवाल अर खण्ड 'स' मांय निबंधात्मक सवाल दियोड़ा है। हरेक खंड रै आगै दियोड़ा निर्देशां मुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रौ जवाब देवणौ जरूरी है। आपरौ पड़ूत्तर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम **30** सबद सूं बेसी नीं हवणौ चाइजै। हरेक सवाल **2** अंक रौ है।

1. (i) ''अकबर समंद अथाह, सूरापण भरियौ सजळ।
मेवाड़ो तिण मांह, पोयण फूल प्रतापसी''।।
महाराणा प्रताप माथै रच्योड़ा इण दूहै रा रचयिता कवि रो नांव लिखौ।

(ii) 'कान्हड़दे प्रबंध' रा रचनाकार रो नांव लिखौ।

(iii) मीरांबाई रै पिता रो नांव लिखौ।

(iv) भगतकवि ईसरदास री दो रचनावां रो नांव लिखो।

(v) ''राम रासौ'' ग्रंथ रा रचनाकार कुण हा? नांव लिखौ।

(vi) दाहू पंथ री थरपणा कुण करी?

(vii) सहजोबाई किण संत सम्प्रदाय सूं सम्बंधित है?

खण्ड–'ब' 4×7=28

(छोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं **किणी चार** सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है। उत्तर सीमा अधिकतम **200** सबद है। हरेक सवाल **7** अंक रौ है।

2. मध्यकालीन आध्यात्मिक काव्य बाबत जाणकारी करावौ।

3. भगत सिरोमणी मीरांबाई रो जीवन–परिचै प्रस्तुत करो।

4. रामनाथ कविया रचित 'पाबूजी रा सोरठा' रचना री भाव पख री दीठ सूं समीक्षा करो।

5. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री विसेसतावां उजागर करो।

6. कवि दूरसा आढ़ा री रचनावां अर वांरो जीवन–परिचै उजागर करो।

7. चावी रचना 'जैठवा–ऊजळी' बाबत सांतरी जाणकारी उजागर करो।

8. चावै नीतिकाव्य 'राजिया रा दूहा' में वरणित नीतिपरक संदेश सरल सबदां मांय वरणित करो।

9. ''बींझा–सोरठ'' प्रेमाख्यान रचना सूं जुड़ी जाणकारी साझा करो।

खण्ड–'स' 2×14=28

(मोटा सवाल)

निर्देश :– इण खण्ड मांय सूं **किणी दो** सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है। उत्तर सीमा अधिकतम **500** सबद है। हरेक सवाल **14** अंक रौ है।

10. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री विविध धारावां माथै आपरी जाणकारी विस्तार सें उजागर करो।

11. मध्यकाल रा ख्यात नांव कवि पृथ्वीराज राठौड़ रौ व्यक्तित्व उजागर करता थकां वांरी खास–खास रचनावां री जाणकारी करावौ।

12. मध्यकालीन राजस्थानी संत संप्रदायां अर वां रै साहित्य बाबत विस्तार सूं आलेख लिखौ।

13. संत कवियत्री सहजोबाई रो जीवन–परिचै मांडतां थकां वांरै रच्योड़ै साहित्य री उदाहरणां साथै विवेचना करौ।
